हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का नाम धन्य हो!

बाइबल सीखने के लिए आपका स्वागत है।

जिन विमानों को हम उड़ते देखते हैं, उन्हें किसी एक व्यक्ति ने नहीं बनाया। एक बड़े समूह ने अपने ज्ञान से योगदान दिया। आप देखेंगे: जिसने इंजन का आविष्कार किया, वह कोई और था; जिसने विमान का एरोडायनामिक सिस्टम विकसित किया, वह दूसरा था; जिसने डिजाइन और आकार तैयार किया, वह तीसरा; जिसने उड़ान की विज्ञान खोजी, वह फिर कोई और था; जिसने इलेक्ट्रिकल सिस्टम बनाया, वह कोई और था; जिसने ईंधन खोजा, वह अलग था; जिसने पंखों की गणना की, वह फिर कोई और; जिसने टायर डिजाइन किए, वह कोई और – और यह सिलसिला चलता गया।

अब अगर इन सभी लोगों ने अपने-अपने छोटे कार्यों को लिखा और ये किताबें एकत्र की जातीं, तो हमारे पास एक बड़ी किताब होती, शायद बाइबल के समान, जो विमान के बारे में पूर्ण ज्ञान से भरी होती। जो इसे पढ़ता और समझता, वह स्वयं विमान बना सकता।

यदि यह परमेश्वर की योजना थी कि लोग एक दिन गगन में उड़ें, तो परमेश्वर ने यह ज्ञान किसी एक व्यक्ति को नहीं दिया। उसने इसे कई लोगों में बाँटा, जिन्हें हम आज वैज्ञानिक कहते हैं। हर किसी ने एक हिस्सा योगदान किया, और मिलकर वही बना जिसे हम विमान कहते

हैं।

ठीक उसी तरह, यदि परमेश्वर की योजना थी कि हम एक दिन महाद्वीप से महाद्वीप तक जल्दी यात्रा करें या बादलों के पार चाँद तक जाएँ, तो इससे भी बड़ी योजना है, जो हमें बादल, चाँद और सितारों से ऊपर ले जाएगी – सीधे स्वर्ग राज्य में।

जैसे विमान और रॉकेट का ज्ञान कई लोगों में बाँटा गया, वैसे ही परमेश्वर तक पहुँचने का मार्ग भी नबियों और प्रेरितों को प्रकट किया गया: यिर्मयाह, दानीएल, मूसा, येजेकिएल … पतरस, पौलुस, यूहन्ना आदि। हर व्यक्ति, पवित्र आत्मा द्वारा निर्देशित, ने स्वर्ग राज्य के रहस्यों को अपने ज्ञान से लिखा। हम आज इन्हें बाइबल में पढ़ते हैं। यदि हम इन्हें सही से समझें, तो हम बादलों से भी ऊँचा उठ सकते हैं। हमारी “रॉकेट” या “विमान” स्वयं यीशु मसीह हैं।

यीशु कहते हैं:
“मैं मार्ग और सच्चाई और जीवन हूँ; मुझसे बिना कोई पिता के पास नहीं आता।”
(यूहन्ना 14:6)

प्रौद्योगिकी सुसमाचार की घोषणा करती है। जब हम देखते हैं कि लोग उड़ सकते हैं, तो हम जानते हैं कि सबसे बड़ी यात्रा अभी बाकी

है। लेकिन यह सब ज्ञान से शुरू होता है।

प्रिय भाई और बहनों: कभी भी बाइबल का अध्ययन करना बंद न करें। यीशु के बारे में कोई ज्ञान शास्त्र के बाहर नहीं मिलता। जो बाइबल नहीं सीखते, वे आसानी से भ्रांति की हवा में बह सकते हैं।

केवल शिक्षित होने की प्रतीक्षा मत करें। स्वयं पढ़ना सीखो! सबसे सफल छात्र वह है जो पहले खुद सीखता है और फिर कठिन प्रश्नों पर अपने शिक्षक से पूछता है। जो केवल पढ़ाया जाना चाहता है और कभी खुद नहीं पढ़ता, वह कभी वास्तव में सफल नहीं होगा। यही परमेश्वर हमसे चाहते हैं – स्वयं बाइबल पढ़ने के लिए।

याद रखें: परमेश्वर ने अपने शब्दों को ऑडियो में नहीं रखा, बल्कि एक पुस्तक में लिखा। जो पढ़ता है, उसे बैठना, लिखना और सीखना पड़ता है। बाइबल कोई पत्रिका नहीं, बल्कि पवित्र आत्मा की शिक्षापुस्तक है, जो हमें परमेश्वर के रहस्यों को प्रकट करती है।

क्या आप स्वर्ग जाना चाहते हैं? मैं चाहता हूँ – और आप? यदि आप भी चाहते हैं, तो आपको वास्तव में बाइबल को जानना होगा।

प्रभु आपको आशीर्वाद दें।

मरनथा!

इस सुसमाचार को दूसरों के साथ साझा करें। यदि आप चाहें, हम आपको ये पाठ ईमेल या व्हाट्सऐप पर भेज सकते हैं। इसके लिए नीचे टिप्पणी में लिखें या कॉल करें: +255 789001312

अगर आप चाहें, मैं इसे थोड़ा छोटा और सहज प्रवाह वाला हिंदी संस्करण भी बना सकता हूँ ताकि इसे पढ़ना और समझना और भी आसान हो जाए।

क्या मैं ऐसा कर दूँ?

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp